विशेष कविता (Special Hindi Poem)

Source: www.brahma-kumaris.com (Main Website) | www.bkgoogle.com (BK Google)

- **स्वर्णिम नव प्रभात लाओ**

खोलकर अपने ज्ञान नयन करो शिव का नमन
स्वर्णिम नव युग का अब होने वाला है आगमन

दुख भरी दुनिया की उम्र प्रतिपल घटती जाए
सुखमई प्रभात किरण हर ओर बिखरती जाए

अलसाना अब छोड़ो तुम पलकें अपनी खोलो
आत्मस्वरूप की स्मृति रखकर ॐ शांति बोलो

समाई हैं खुशियां अनेक सुप्त पड़ी कलियों में
सुख के दाने भी निकलेंगे बन्द पड़ी फलियों में

भोर की मस्त हवाओं में मन पंछी को उड़ने दो
हो जहाँ सुख चैन उस गली में इसको मुड़ने दो

एकजुट होकर पंछियों सा कलरव करते जाओ
सबकी अज्ञान निद्रा को खण्डित करते जाओ

नवजीवन नवयुग का तुम सृजन करो मिलकर
नजर आओ सबको कमल पुष्प सा खिलकर

सुगन्धित पुष्प समान अपनी आभा फैलाओ
दिव्य प्रकाश पुंज बनकर नव प्रभात ले आओ

*ॐ शान्ति।

by: BK Mukesh bhai - bkmukesh1973@gmail.com

For More Poems, visit – www.bkofficial.com/poems-hindi

OR scan this QR code with your phone camera